>

Title: Need to open Kasturba Gandhi Vidyalaya in Betul district, Madhya Pradesh.

श्रीमती ज्योति धुर्वे (बेतूल): धन्यवाद सभापति महोदय, आज एक महत्त्वपूर्ण विषय को मैं उठाना चाहती हूँ। मेरा संसदीय क्षेत्र अति पिछड़ा है और आज भी बहुत ज्यादा अविकसित है। मुझे लगता है कि इसका मुख्य कारण वहां शिक्षा का अत्यधिक अभाव है। निश्चय ही आजादी के 65 वर्ष बाद भी यह क्षेत्र पिछड़ा है। इसका मुख्य कारण यह है कि पूरा क्षेत्र पहाड़ी है और वन क्षेत्रों से घिरा हुआ है। यहां रहने वाले अधिकांश लोग आदिवासी हैं। इसी कारण आज तक इसका विकास नहीं हुआ है। मेरी यह मांग है कि पिछले साल 2011 में हमारे यहां सेन्ट्रल स्कूल आया। हमारे पास कुछ नवोदय विद्यालय भी आए। पिछले साल सेन्ट्रल स्कूल आने के कारण, हमारी छः टिकटें तो अभी बढ़ी हैं, लेकिन मांग अधिक होती है। मेरा विनम्र निवेदन है कि यहां सेन्ट्रल स्कूल आने के कारण इसके प्रति लोगों में बहुत ही अधिक जागरुकता आयी है। लोग अपने बच्चों को यहां शिक्षित करना चाहते हैं। मैं चाहती हूं कि पिछड़े क्षेत्रों में फर्स्ट क्लास का एक सेक्शन बढ़ाया जाए ताकि उन्हें सेन्ट्रल स्कूल की सुविधा मुहैया हो सके। उन लोगों के बच्चे, जो महंगी शिक्षा नहीं प्राप्त कर सकते हैं, उन्हें सेन्ट्रल स्कूल के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर सकें। मेरा एक और निवेदन है कि कस्तूरबा गांधी विद्यालय मेरे इस पिछड़े क्षेत्र में नहीं है, जिसे निश्चय ही इसी पैरामीटर में रखा गया है। मैं चाहती हूं कि मेरे यहां दस ब्लॉक हैं, उसमें से अधिक से अधिक आदिवासी बहुल क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए कस्तूरबा गांधी विद्यालय भी दिये जाएं। यह मैं आपके माध्यम से मांग करती हूँ।